टीम इंडिया को 27.48 करोड़ रुपये, उपविजेता को 14.65 करोड़ रुपये मिले

भारत ने जीता टी20 वर्ल्ड कप 2026, आईसीसी की इनामी राशि में रिकॉर्ड

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब जीता।

भारतीय टीम का यह लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 विश्व कप खिताब है। टीम इंडिया तीन टी20 विश्व कप जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। अपने घर में टी20 विश्व कप जीतने वाली भी भारतीय टीम पहली टीम बनी है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद आईसीसी की तरफ से भारतीय टीम पर पैसों की बारिश हुई है।

भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनने पर आईसीसी की तरफ से इनामी राशि के रूप में 3 मिलियन डॉलर मिले हैं। भारतीय रुपये में यह रकम करीब 27.48 करोड़ है।

उपविजेता न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (लगभग 14.65 करोड़ रुपये) मिले। सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुईं दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में से प्रत्येक को 790,000 डॉलर (लगभग 7.24 करोड़ रुपये) मिले।

सुपर-8 तक पहुंची टीमों को 380,000 डॉलर (लगभग 3.48 करोड़ रुपये) मिले।

ग्रुप स्टेज से बाहर हुई टीमों के लिए 250,000 डॉलर (लगभग 2.29 करोड़ रुपये) की राशि सुनिश्चित की गई थी।

आईसीसी ने इस पूरे टूर्नामेंट के लिए कुल 120 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था। फाइनल मुकाबले पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। संजू सैमसन के 46 गेंदों पर 8 छक्कों और 5 चौकों की मदद से बनाए 89 रन, अभिषेक शर्मा के 21 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से बनाए 52 रन, ईशान किशन के 25 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की मदद से बनाए 54 रन और शिवम दुबे के 8 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से बनाए 26 रन की मदद से भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन बनाए थे।

256 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी न्यूजीलैंड 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टिम साइफर्ट ने 26 गेंदों पर 52 और मिचेल सेंटनर ने 35 गेंद पर 43 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 17 रन बनाए, बाकी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं जा सके।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 15 रन देकर 4, अक्षर पटेल ने 3 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए। हार्दिक पांड्या, वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा को 1-1 विकेट मिला। फाइनल में 89 रन के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 और इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाने वाले संजू सैमसन प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। जसप्रीत बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जय शाह का धन्यवाद, मुश्किल समय में उन्होंने मुझ पर भरोसा बनाए रखा: गौतम गंभीर

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीत लिया। टीम इंडिया के हेड कोच के रूप में गौतम गंभीर का यह दूसरा खिताब है। गंभीर की कोचिंग में ही भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का भी खिताब जीता था। गंभीर ने टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के चैंपियन बनने के बाद आईसीसी अध्यक्ष जय शाह का आभार जताया है।

गौतम गंभीर को कोच के रूप में टी20 और वनडे फॉर्मेट में बड़ी सफलता मिली है, लेकिन टेस्ट में सफलता का दर निराशाजनक है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। उस समय गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे थे और उनकी आलोचना हुई थी। उस समय गंभीर को जय शाह का समर्थन मिला था।

खिताबी मुकाबले के बाद प्रेस कांफ्रेंस में गंभीर ने कहा, मुझे जय भाई का शुक्रिया करना है।

न्यूजीलैंड या साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार का समय मेरे लिए काफी मुश्किल था। उस समय ज्यादा लोगों का कॉल मेरे पास नहीं आया। जय भाई का कॉल आया था। उन्होंने मुझपर इस काम के लिए भरोसा किया। इसलिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं।

इसके अलावा, गौतम गंभीर ने टी20 विश्व कप 2026 के खिताब को पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ और दिग्गज बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण को डेडिकेट किया।

राहुल द्रविड़ के लिए गंभीर ने कहा कि राहुल भाई ने अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय क्रिकेट को अच्छी शेप में रखने के लिए जो किया है, मैं उसके लिए उन्हें शुक्रिया करता हूं।

राहुल द्रविड़ की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता था।

बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हेड ऑफ क्रिकेट वीवीएस लक्ष्मण के लिए गंभीर ने कहा, वह भारतीय क्रिकेट के लिए पर्दे के पीछे से काफी कुछ कर रहे हैं।

गौतम गंभीर ऐसे पहले व्यक्ति बन गए हैं जिन्होंने एक खिलाड़ी और कोच के रूप में टी20 विश्व कप जीता है। गौतम गंभीर 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य थे। गंभीर ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 रनों की यादगार पारी खेलकर देश को पहला टी20 खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

दूसरे दिन राधामणि और साहिल ने भारत के लिए जीत दर्ज की

बैंकॉक। भारतीय यूथ बॉक्सिंग टीम ने बैंकॉक में वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप 2026 में अपना कैंपेन जारी रखा और कॉम्पिटिशन के दूसरे दिन मिले-जुले नतीजे मिले, जिसमें राधामणि लोंगजाम और साहिल दुहान ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत हासिल की।

महिलाओं की 57किग्रा कैटेगरी में, राधामणि लोंगजाम ने शानदार परफॉर्मेंस देते हुए उज्बेकिस्तान की अपनी विरोधी को हराया, और तीसरे राउंड में रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट (आरएससी) से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पुरुषों के डिवीजन में, साहिल दुहान (60) ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तुर्कमेनिस्तान पर 5-0 के एकमत फैसले से शानदार जीत हासिल की। इस बीच, उधम सिंह (55) ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन जापान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 से हार गए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप, जो 8 से 15 मार्च तक बैंकॉक में हो रहा है, इसमें दुनिया भर के कुछ सबसे होनहार युवा बॉक्सर यूथ ओलंपिक वेट कैटेगरी में मुकाबला कर रहे हैं, जिससे एथलीटों को कीमती इंटरनेशनल मौका मिल रहा है।

भारतीय युवा बॉक्सरों ने पिछले साल बहरीन में हुए तीसरे एशियन यूथ गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने चार गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज सहित सात मेडल जीते थे, जो कॉन्टिनेंटल स्टेज पर यूथ बॉक्सिंग में भारत का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

भारतीय टीम अब टूर्नामेंट में शुरुआती राउंड जारी रहने के साथ ही लय बनाए रखने की कोशिश करेगी।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने जीती ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी निशानेबाजी चैंपियनशिप

अमृतसर। खेलों के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत करते हुए गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने निशानेबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सोमवार को ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी निशानेबाजी चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

विश्वविद्यालय ने एस.ए.एस.नगर, मोहाली में ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी 25 मीटर और 50 मीटर निशानेबाजी (पुरुष और महिला) चैंपियनशिप 2025-26 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस चैंपियनशिप में देशभर की 71 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीमों और लगभग 350 निशानेबाजों ने भाग लिया।

चैंपियनशिप के दौरान, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के निशानेबाजों ने असाधारण प्रदर्शन किया और 25 मीटर और 50 मीटर स्पर्धाओं में पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में ओवरऑल जनरल चैंपियनशिप ट्रॉफी हासिल की। पुरुष वर्ग में, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), फगवाड़ा उपविजेता रही और पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ने तीसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में भी गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी विजेता बनकर उभरी, जिसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ दूसरे और सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी पुणे तीसरे स्थान पर रही। इस चैंपियनशिप का एक प्रमुख आकर्षण अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह की उल्लेखनीय उपलब्धि रही, जिन्होंने 50 मीटर प्रोन (पुरुष) स्पर्धा में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर प्रतियोगिता में एक नया मानक स्थापित किया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजों सिफ्त कौर समरा, आशी चौकसी और अदृयन कर्मकार ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया, जिससे विश्वविद्यालय की खेल प्रतिष्ठा और बढ़ी। खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए, कुलपति प्रो. करमजीत सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में लगातार उभर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय अपने खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं और निरंतर प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

खेल निदेशक डॉ. कंवर मनदीप सिंह ने भी निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और विश्वविद्यालय प्रशासन के निरंतर सहयोग का परिणाम है। उन्होंने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन शैक्षणिक मामले और डीन छात्र कल्याण के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर, उन्होंने विश्वविद्यालय की शूटिंग कोच राजविंदर कौर के अथक प्रयासों, पेशेवर मार्गदर्शन और प्रतिबद्धता की भी विशेष रूप से प्रशंसा की, जिनके प्रशिक्षण में निशानेबाज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

तिलोत्तमा सेन ने 50 मीटर 3 पोजीशंस राइफल में लगातार तीसरी जीत दर्ज की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शूटर तिलोत्तमा सेन ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स (ग्रुप ए) में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस फाइनल में लगातार तीसरी जीत हासिल की। उन्होंने जनवरी में हुए टी1 और टी2 फाइनल के बाद अब टी3 फाइनल भी अपने नाम कर लिया। तिलोत्तमा ने स्टैंडिंग सीरीज में 357.0 का स्कोर बनाकर पहला स्थान हासिल किया, जबकि निश्चल सिंह 356.6 के स्कोर के साथ दूसरे और ओलंपियन अंजुम मुद्गिल 345.8 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। साक्षी सुनील पडेकर, मेहुली घोष, श्रियांका सदांगी, लज्जाकुमारी गोस्वामी और नुपुर कुमरावत अन्य फाइनलिस्ट रहीं।

पुरुष वर्ग के 50 मीटर राइफल फाइनल में 10 मीटर एयर राइफल के राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव ने 353.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, नीरज कुमार 353.3 अंक के साथ दूसरे और गोल्डी गुर्जर 342.4 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। निशान बुधा, अखिल श्योरण, सिद्धार्थ गौर, अर्जुन बाबूता और सूर्य प्रताप सिंह शीर्ष आठ में शामिल रहे।

10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष वर्ग में उदयवीर सिद्धू ने 243.2 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। केदारलिंग उचगांवें दूसरे और विश्व चैंपियन रविंदर सिंह तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में अंजुम मुद्गिल ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस क्वालिफिकेशन में 588 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 का समापन मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल महिला क्वालिफिकेशन और फाइनल के साथ होगा।

अभिषेक ने विस्फोटक पारी के लिए शिवम को क्यों धन्यवाद कहा?

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले फाइनल मुकाबले से पहले भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की फॉर्म चिंता का विषय थी। फाइनल में अभिषेक ने अपनी खराब फॉर्म को पीछे छोड़ा और इस विश्व कप का सबसे तेज अर्धशतक लगाते हुए टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। अभिषेक ने अपनी पारी के लिए शिवम दुबे को धन्यवाद कहा है।

मैच के बाद रिपोर्टरों से बात करते हुए अभिषेक ने कहा, मैंने शिवम दुबे के बैट से बल्लेबाजी की, इसके लिए धन्यवाद दुबे। सुबह, मुझे कुछ अलग करने का मन किया। शुभमन (गिल) आस-पास नहीं थे, इसलिए मैं दुबे के पास गया और उनका बल्ला उठाया। विश्व कप में अपनी असफलता का जिक्र करते हुए अभिषेक ने कहा, मैं लगभग डेढ़ साल तक ड्रीम रन बनाने के बाद पिछले एक महीने में खराब दौर से गुजरा हूं। ऐसी सिचुएशन में सपोर्ट बहुत मायने रखती है। अगर आपके आस-पास के लोग आपको बेहतर बनने में मदद करना चाहते हैं, तो इससे बहुत फर्क पड़ता है। जब मैं बैट से योगदान नहीं कर रहा था, तब भी टीम में सभी को मुझ पर भरोसा था। वे कहते रहते थे, 'वह कर देगा। मैंने कभी अपने टीममेट्स, कोच या सपोर्ट स्टाफ पर शक नहीं किया।

विश्व कप के लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाया था, लेकिन उसके बाद फिर से उनके बल्ले से रन नहीं आ रहे थे। फाइनल में अभिषेक शर्मा के लिए ऑलराउंडर शिवम दुबे का बल्ला लकी साबित हुआ। फाइनल जैसे अहम मैच में अभिषेक ने मात्र 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाते हुए 21 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। टी20 विश्व कप 2026 का यह सबसे तेज अर्धशतक था। अभिषेक की पारी ने भारत को तेज शुरुआत दी और बड़े स्कोर की नींव रखी।

प्रियंका गोस्वामी: रेस वॉक में देश का गौरव, कभी इस वजह से दौड़ की तरफ आकर्षित हुई थीं

नई दिल्ली। रेस वॉक एक ऐसी ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता है जिसमें धावक दौड़ने के बजाय बहुत तेजी से पैदल चलते हैं। इस खेल में भारत की प्रियंका गोस्वामी ने बड़ा नाम बनाया है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को पदक दिलाया है।

प्रियंका गोस्वामी का जन्म 10 मार्च 1996 को मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। एक निम्न-मध्यवर्गीय परिवार से होने के कारण उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ा। एथलेटिक्स में आने से पहले गोस्वामी ने कुछ महीनों तक स्कूल में जिमनास्टिक की प्रैक्टिस की। वह दौड़ने की तरफ भी इसलिए आकर्षित हुईं क्योंकि सफल धावक को इनाम के तौर पर बैग मिलते थे। प्रियंका ने 2017 में इंडियन रेसवॉकिंग चैंपियनशिप का खिताब जीता था। फरवरी 2021 में, उन्होंने 20 किमी की रेस में इंडियन रेसवॉकिंग चैंपियनशिप जीती, जिसमें उन्होंने 1:28.45 का नया इंडियन रिकॉर्ड बनाया, और 2020 समर ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया।

गोस्वामी ने टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। टोक्यो में वह 17वें, जबकि पेरिस में 41वें स्थान पर रही थीं। प्रियंका गोस्वामी ने 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में 10 किलोमीटर रेस वॉक में रजत पदक जीता था। इस उपलब्धि को हासिल करने वाली वह पहली भारतीय महिला एथलीट बनीं थीं। 2023 में बैंकॉक में हुए 20 किलोमीटर वॉक में रजत पदक जीता था, जबकि विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में 2021 में 20 किलोमीटर वॉक में कांस्य पदक जीता था। 2025 में इंसब्रुक में आयोजित ऑस्ट्रियन रेसवॉकिंग चैंपियनशिप में भारतीय रेसवॉकरों ने सराहनीय प्रदर्शन किया, जिसमें प्रियंका गोस्वामी ने 47:54 के समय के साथ महिलाओं की 10 किमी दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। प्रियंका ने स्लोवाकिया के डुडिंस्का 50 में महिलाओं की 35 किमी रेस वॉक में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2 घंटे 56 मिनट 34 सेकंड का समय निकालकर 11वां स्थान हासिल किया था। भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेहतर करने के लिए प्रयासरत प्रियंका गोस्वामी भारतीय रेलवे में कार्यरत हैं।

भारत को क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए चीनी ताइपे के खिलाफ़ जीतना होगा

सिडनी। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी विमेंस एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा।

ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा। नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी।

भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी।

जापान छह पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं।

भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।

मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं।

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है।

सर्जियो गोर ने एक्स पर लिखा, टी20 क्रिकेट विश्व कप में जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई। अमेरिकी राजदूत विश्व कप में भारत और अमेरिका के बीच खेले गए मैच को देखने के लिए मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान वह आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह से भी मिले थे। शाह और सर्जियो ने एक-दूसरे से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। भारत के खिलाफ अमेरिका का प्रदर्शन अच्छा रहा था। अमेरिका ने टीम इंडिया के 77 रनों पर 6 विकेट गिरा दिए थे, लेकिन सूर्यकुमार यादव के नाबाद 84 रनों की बदौलत भारत ने 9 विकेट पर 161 रन बनाए थे और यूएसए को 132 रन पर रोककर 29 रन से मैच जीता था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए फाइनल मुकाबले की बात करें तो न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। संजू सैमसन के 89 रन, अभिषेक शर्मा के 52 रन, ईशान किशन के 54 रन और शिवम दुबे के नाबाद 26 रन की मदद से भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन बनाए थे। 256 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी न्यूजीलैंड 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टिम साइफर्ट ने 26 गेंदों पर 52 और मिचेल सेंटनर ने 35 गेंदों पर 43 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 15 रन देकर 4, अक्षर पटेल ने 3 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

स्पेशल खबर न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका: टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमें

3 टीमें, जिन्होंने दो बार टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल गंवाया

- पाकिस्तान ने 2007 और 2022 में टी20 वर्ल्ड कप फाइनल गंवाए।
- श्रीलंका ने 2009 और 2012 में फाइनल हारने का दुख झेला।
- न्यूजीलैंड ने 2021 और 2026 में फाइनल में हार का सामना किया।
- इन तीनों टीमों ने एक नहीं, बल्कि दो बार खिताब जीतने का मौका गंवाया।

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने भारत के विरुद्ध रविवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच को 96 रन के अंतर से गंवा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड उन देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया, जिसने एक नहीं, बल्कि दो-दो बार खिताब जीतने का मौका गंवाया है। आइए, इस लिस्ट में शामिल देशों के बारे में जानते हैं।

पाकिस्तान- इस टीम ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2007 का फाइनल महज 5 रन के अंतर से गंवाया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 157 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तानी टीम 19.3 ओवरों में महज 152 रन सिमट गई।

इसके बाद पाकिस्तान ने साल 2022 में इंग्लैंड के विरुद्ध फाइनल मैच 5 विकेट के अंतर से गंवाया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी

पाकिस्तानी टीम ने 8 विकेट गंवाकर 137 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 19 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

श्रीलंका- इस टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 के खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 138 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने 18.4 ओवरों में 8 विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

श्रीलंकाई टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2012 के खिताबी मुकाबले में एक बार फिर जगह बनाई। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 137/6 का स्कोर बनाया, लेकिन इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 18.4 ओवरों में महज 101 रन पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड- कीवी टीम ने पहली बार साल 2021 के फाइनल में जगह बनाई। न्यूजीलैंड ने उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 172 रन बनाए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवरों में 8 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। साल 2026 में न्यूजीलैंड ने एक बार फिर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई, जहां उसे भारत के हाथों 96 रन से करारी हार झेलनी पड़ी। टीम इंडिया ने 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई।